6 अमर उजाला
नई दिल्ली बृहस्पतिवार 16 मई 2013

ग्रेनो

डीयू में रूबरू मिस
डीयू के शंकर लाल कॉ
एलीट 2013 सुंदरता प्र
ऑडिशंस का आयोजन
भ्रूण हत्या के खिलाफ

# डिग्री मिलने से पहले ही स्वरोजगार की तैयारी

सुशील पांडेय

नोएडा। इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की डिग्री मिलना बाकी है लेकिन हजारों छात्र-छात्राएं अभी से स्वरोजगार की तैयारी में लग गए हैं। यह देश के नौ राज्यों के इंजीनियरिंग-मैनेजमेंट अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं हैं।

नोएडा सेक्टर-62 का राष्ट्रीय उद्यमिता एवं व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) उनको इसके गुर सिखाने में मदद कर रहा। खास बात यह कि इसका कोई शुल्क विद्यार्थियों को नहीं देना होगा दरअसल, निसबड की ओर से ऐसे छात्रों द्वारा स्वरोजगार स्थापित कराने की योजना फरवरी में बनाई गई।

योजना के मुताबिक छोटे-छोटे इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट संस्थान के विद्यार्थियों को इसके लिए जागरूक किया गया। अंतिम रूप से इच्छुक

छात्रों को उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ई-लर्निंग ऑन ईडीपी) में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। अंतिम वर्ष के छात्रों को चुनने का मकसद है कि अधिकांश छोटे-छोटे संस्थानों में नाममात्र का प्लेसमेंट हो पाता है। ऐसे में विद्यार्थी को डिग्री तो मिल जाती है लेकिन रोजगार नहीं मिलता। रोजगार के अभाव में वे दर-दर भटकते रहते हैं। लिहाजा उस स्थिति में स्वरोजगार का यह गुर उनको काफी मदद करेगा।

> इस साल इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट के आखिरी वर्ष के 70,000 छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के गुर सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। अभी दो-तीन माह में 2500 को प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं करीब दस हजार छात्र-छात्राएं जानकारी ले रहे हैं। निसबड इस कार्यक्रम से अभी तक देश भर के 50 से ज्यादा संस्थानों को जोड़ चुका है। - निसबड अधिकारी

> हमारा मकसद यह नहीं है कि किसी को डिग्री मिलने के बाद नौकरी करने से रोकें। बल्कि हमारा मकसद यह है कि कोई बेरोजगारी का दंश झेलने को मजबूर न हो। अभी भी ऐसे डिग्रीधारक हैं, जो डिग्री मिलने के बाद भी बेरोजगार हैं। लिहाजा अब हम शैक्षिक सत्र में ही उनको स्वरोजगार शुरू कराने की जानकारी दे रहे हैं। - अरुण कुमार झा, महानिदेशक, निसबड

> निसबड और इसके बाहर भी स्वरोजगार व उद्यमिता विकास का गुर सिखाया जा रहा है। संस्थान खुद की फैकल्टी से छात्रों को राह दिखाता है तो बाहर से दूसरे संस्थान की फैकल्टी प्रशिक्षण का तौर तरीका सिखाती हैं। फिर यह फैकल्टी अपने विद्यार्थियों को जानकारी देगी। इसके अलावा विद्यार्थी घर बैठे भी सीडी के माध्यम से जानकारी ले सकते हैं। - शिवी पी. नारायण, सीनियर कंसलटेंट, निसबड

## केवल 200-250 रुपये चुकाने होंगे

शहरी क्षेत्रों के छात्रों को पंजीकरण के 100 रुपये व सीडी के लिए 150 रुपये चुकाने होंगे। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सीडी की कीमत मात्र 100 रुपये रखी गई है। प्रशिक्षण दिलाने का कोई शुल्क नहीं रखा गया है। अधिकारियों की मानें तो अभी तक 20 हजार सीडी विद्यार्थियों ने ली है।

## बैंक से मदद दिलाने में दिखाएगा राह

खुद का रोजगार स्थापित करने के इच्छुक छात्र-छात्राओं की राह में यदि आर्थिक समस्या आड़े आ रही है तो उनकी राह आसान करने में भी निसबड मदद करेगा। संस्थान की ओर से ऐसे इच्छुक छात्रों को बैंक की ओर से दिए जाने वाले लोन व सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी दी जाएगी।